भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2279

दिनांक 01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एकीकृत रोग निगरानी परियोजना

2279. श्री हरीभाई पटेलः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार एकीकृत रोग निगरानी परियोजना (आईडीएसपी) क्रियान्वित कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त परियोजना के अंतर्गत पिछले पाँच वर्षों के दौरान निष्पादित कार्यों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्या है तथा उक्त परियोजना के अंतर्गत सरकार द्वारा स्थानीय आबादी को किस प्रकार स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं; और
(घ) एकीकृत रोग निगरानी परियोजना के संदर्भ में महेसाणा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) गुजरात के महेसाणा जिले सहित सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में केंद्रीय, राज्य और जिला स्तरीय निगरानी इकाइयों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 50 से अधिक महामारी-प्रवण रोगों की निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

आईडीएसपी के मुख्य उद्देश्य हैं -

- महामारी-जन्य रोगों के लिए विकेन्द्रीकृत प्रयोगशाला-आधारित सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम रोग निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करना और उन्हें बनाए रखना।
- रोग प्रवृत्तियों की निगरानी करना।
- प्रारंभिक चरण में प्रकोपों का पता लगाना और उनका समाधान करना।
- जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर त्वरित अनुक्रिया दल (आरआरटी) के प्रशिक्षित संवर्ग का गठन।

मानक केस परिभाषाओं के अनुसार निगरानी उपकरण में उप-केंद्र स्तर पर ओक्सलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम) द्वारा भरा गया सिंड्रोमिक (एस) फॉर्म, स्वास्थ्य सुविधा केंद्र स्तर पर चिकित्सा अधिकारियों द्वारा भरा गया अनुमानित (पी) फॉर्म और प्रयोगशालाओं द्वारा भरा गया प्रयोगशाला (एल) पुष्टिकृत फॉर्म शामिल हैं। प्रत्येक राज्य ने जाँच और निगरानी के लिए आईडीएसपी के अंतर्गत जिला लोक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (डीपीएचएल), राज्य रेफरल प्रयोगशालाओं (एसआरएल) जैसी प्रयोगशालाएँ निर्धारित की हैं। पिछले पाँच वर्षों के परिणामों/उपलब्धियों का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक

एकीकृत रोग निगरानी परियोजना के संबंध में दिनांक **01.08.2025** के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **2279** के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

i. मानक केस परिभाषाओं के अनुसार एएनएम, चिकित्सा अधिकारियों और प्रयोगशालाओं द्वारा भरे गए फॉर्म का विवरण:

परिणाम मानदंड	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	जुलाई, **2025** तक
उप-केंद्र स्तर पर एएनएम द्वारा भरा गया सिंड्रोमिक (एस) फॉर्म	46%	41%	68%	75%	78%
स्वास्थ्य सुविधा केंद्र स्तर पर चिकित्सा अधिकारियों द्वारा भरा गया अनुमानित (पी) फॉर्म	48%	57%	73%	78%	83%
प्रयोगशालाओं द्वारा भरा गया प्रयोगशाला पुष्टिकरण (एल) फॉर्म	47%	55%	73%	79%	83%

ii. प्रकोप की रिपोर्ट और अनुक्रिया का विवरण और उत्पन्न मीडिया अलर्ट:

परिणाम मानदंड	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	जुलाई, 2025 तक
रिपोर्ट किए गए और अनुक्रिया दिए गए प्रकोपों की संख्या	728	1027	1862	3020	958
मीडिया स्कैनिंग और सत्यापन प्रकोष्ठ (एसएसवीसी): समय पर कार्रवाई के लिए उत्पन्न मीडिया अलर्ट की संख्या	485	653	879	2338	2011

iii. कोविड-19 महामारी - आईडीएसपी ने अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी, सामुदायिक निगरानी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को डेटा और तकनीकी जानकारी प्रदान करने, अनुक्रिया की निगरानी और राज्यों/जिलों को मार्गदर्शन प्रदान करने, आईएनएसएसीओजी के माध्यम से नए वेरिएंट की जीनोमिक निगरानी में अग्रणी भूमिका निभाई।

iv. उभरती और फिर से उभरते रोग - देश में क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार (सीसीएचएफ), जीका, निपाह, इबोला, एमपॉक्स आदि जैसी उभरती और फिर से उभरती रोगों की त्वरित अनुक्रिया और निगरानी में आईडीएसपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रकोप की जाँच, दिशानिर्देशों के परिचालन और प्रयोगशाला परीक्षण में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

v. सामूहिक समारोहों में विशेष निगरानी - आईडीएसपी बाढ़ जैसी आपदाओं और कुंभ मेला और अमरनाथ यात्रा जैसे सामूहिक समारोहों के दौरान जन स्वास्थ्य सहायता प्रदान करता है।

vi. जन स्वास्थ्य आपातकालीन प्रचालन केंद्र (पीएचईओसी) एक केंद्रीय आपातकालीन सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो प्रकोपों (एच1एन1, निपाह, आदि), जन स्वास्थ्य संकटों और कुंभ मेले जैसे बड़े आयोजनों का प्रबंधन करता है।

*****